University in News on 23 December 2020

NBT PAGE 4

गणित विभाग में हुआ वेबिनार : एलयू के गणित विभाग में वेबिनार हुआ। इसमें भारतीय मूल के दुनिया के महान गणितज्ञों ने रामानुजन के जीवन व गणित के क्षेत्र में उनके कार्यों पर चर्चा हुई। मुख्य वक्ता के तौर पर एनआईटी सुलतानपुर के प्रो. नीरज चौबे मौजूद रहे। साथ ही आईआईटी कानपुर की प्रो. मंजुल गुप्ता भी वर्चुअल तौर पर जुड़ी और उन्होंने वैदिक गणित पर व्याख्यान दिया।

JAGRAN CITY PAGE III

पीएचडी की अंतिम सूची जारी

जासं, लखनऊ : लविवि द्वारा पीएचडी की दूसरी व अंतिम सूची वेबसाइट पर अपलोड की गई है। शुल्क जमा करने की अंतिम तिथि 25 दिसंबर है। लविवि प्रवक्ता का कहना है कि ये सूची कम आय वर्ग के आरक्षण का उपयोग करते हुए जारी की गई है। अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, हिंदी, शारीरिक शिक्षा, नागरिक शास्त्र, व्यावहारिक अर्थशास्त्र, व्यापार, कानून, वनस्पति विज्ञान और रसयान विज्ञान, गणित और प्राणि विज्ञान विषयों में चयन किया गया है।

दिव्यांग आरक्षण का लाभ न देने का आरोप: पीएचडी की सूची जारी होने के बाद एक दिव्यांग आवेदक ने आरोप लगाया है कि उन्हें इस आवेदन प्रक्रिया में दिव्यांग आरक्षण के तहत लाभ नहीं दिया गया। छात्र संदीप सैनी ने कहा कि समाजशास्त्र विभाग में दिव्यांग का कोटा हटा दिया गया है, जिससे उन्हें लाभ नहीं मिल सका है। लविवि के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि उनको सामान्य वर्ग में दिव्यांग कोटे के तहत लाभ नहीं दिया जा सकता है। उन्होंने ओबीसी दिव्यांग कोटा भरा था, जिसमें तकनीकी तौर पर आरक्षण उपलब्ध नहीं है।

HINDUSTAN PAGE 6

छात्र राजनीति तो उस दौर में अपने चरम पर थी...

प्रो. अवधेश त्रिपाठी

अमेठी के छोटे से गांव से लखनऊ विश्वविद्यालय आया था। 1983 के उस दौर में कॉमर्स विभाग में ज्यादातर छात्र शहरी इलाके और बिजनेस परिवारों से थे। हम ठहरे गांव के एक किसान परिवार से। पहले दिन ही छात्रों के बीच एक दूरी सी नजर आई। असमानता भी नजर आई। क्लास के दूसरे छात्रों को लगता कि हम गांव से हैं तो दूरी बनाते। थोड़ा खराब भी लगा। अशोक मिश्रा जी उस समय अम्बेडकर नगर से आए थे। उन्होंने भी बी.कॉम में दाखिला लिया। हम दोनों की जोड़ी बन गई। तय किया कि क्लास में अपनी जगह बनाकर रहेंगे। फिर क्या था शुरू हो गए। अगले दिन क्लास में होने वाले लेक्चर की तैयारी पहले से कर लेते। क्लास में टीचर कोई भी सवाल पूछते उसका जवाब हम दोनों के पास होता था। उसका नतीजा था कि शुरुआती 15-20 दिन के बाद हम दोनों की गिनती क्लास में सबसे पढ़ने वाले छात्रों में होने लगी। शिक्षकों ने तारीफ करना शुरू कर दिया। कुछ ही दिनों में पूरी क्लास हमें जान गई। अब जब भी किसी छात्र को पढ़ाई में कोई समस्या होती वह हमारे पास आने लगा। उस समय क्लास खूब होती थी। छात्र भी आते। मुझे याद नहीं कि कभी क्लासरूम में 90 प्रतिशत से कम उपस्थिति रही हो।

उस समय कैम्पस का माहौल स्वतंत्र था। सभी छात्रों के अपने अपने उद्देश्य थे। पढ़ने वाले छात्रों को कभी कोई परेशान नहीं करता था। छात्र राजनीति भी चरम पर थी। ब्रजेश पाठक, राकेश श्रीवास्तव, नीरज जैन जैसे कई बड़े छात्र नेताओं का दौर था। लेकिन याद नहीं आता कि कभी किसी शिक्षक के साथ किसी ने अभद्रता की हो। एक बार हमारी डीन प्रो. केके सक्सेना के साथ कुछ छात्रों ने अभद्रता की तो बाद में वे माफी मांगने तक आए। वो दौर जहन में इतना रचा बसा है कि भुलाया नहीं जा सकता। **प्रो. अवधेश त्रिपाठी,** विभागाध्यक्ष वाणिज्य विभाग

एलयू: पीएचडी की दूसरी मेरिट जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने पीएचडी के 12 पाठ्यक्रमों की दूसरी मेरिट सूची मंगलवार को जारी कर दी है। सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड है। अभ्यर्थियों को आगामी 25 दिसंबर तक फीस जमा करने का मौका दिया गया है।

प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि कुल 12 पाठ्यक्रमों की दूसरी सूची जारी हुई है। इनमें, अर्थशास्त्र, अंग्रेजी, हिंदी, शारीरिक शिक्षा, समाजशास्त्र, एप्लाइड इकोनॉमिक्स, वाणिज्य, विधि, बॉटनी, रसायन विज्ञान, गणित और जूलॉजी शामिल हैं।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 4

हेल्थ वेलनेस सेंटर के सदस्य बने डॉ. अमरजीत

लखनऊ। लविवि योग एवं अल्टरनेटिव मेडिसिन संकाय के कोऑर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव को हेल्थ वेलनेस सेंटर के संचालन के लिए राज्य स्तरीय एवं जनपद स्तरीय समिति का सदस्य नामित किया गया है। यह सेंटर आयुष मंत्रालय भारत सरकार की ओर से स्थापित किया जा रहा है। इसमें रोगियों को योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा की सुविधा दी जाएगी।

लविवि में व्याख्यान : लविवि में गणितज्ञ रामानुजन के जीवन, उनके गणित के क्षेत्र में किए गए कार्यों पर चर्चा की गई। मुख्य वक्ता केएनआईटी सुल्तानपुर के प्रो. नीरज चौबे थे। कार्यक्रम का आयोजन लविवि के गणित एवं खगोल विभाग व भारत गणित परिषद की ओर से किया गया।